

573/2

प्राची क इन्के अचिवमग अगुपस्विर।
 आकाज तिलवारी गरी। लेने देने
 केरु 34 स्विमर नरी आप। अरा
 पाचर क प्रमेका पर अरु
 हाजरी अरु जेपी से लारीक
 सिपा जा रही। पत्राचली नरु
 के मरु अकर साखिर धरु
 है 1/3

